कलकत्ता में खोपरा और सुपारी की बिक्री में मुनाफाखोरी

206. **श्री काशी राम गुप्त :**
श्री मोहन स्वरूप :
श्री छ० म० केदरिया :
श्री विश्राम प्रसाद :
श्री नरदेव स्नातक :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री 20 अप्रैल, 1966 के अतारांकित प्रश्न संख्या 4007 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि कलकत्ता में खोपरा तथा सुपारी के विक्रय मूल्य अत्यधिक ऊंचे होने के क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री तथा प्रतिरक्षा मंत्रालय में प्रतिरक्षा संभरण मंत्री (श्री हाथी) : कलकत्ता के बाजार में खोपरा तथा सुपारी का मूल्य सम्भरण तथा मांग आदि अनेक तत्वों पर निर्भर करता है । कलकत्ता के बाजार में इन चीजों का मूल्य निर्धारित करने में द्वीपों से कलकत्ता आने वाली इन चीजों की अपेक्षया थोड़ी मात्रा का कोई महत्वपूर्ण भाग नहीं रहता ।

डाक तथा तार कर्मचारियों को चिकित्सा सम्बन्धी बिलों की प्रतिपूर्ति

207 **श्री विश्राम प्रसाद :**
श्री काशी राम गुप्त :
श्री मोहन स्वरूप :
श्री छ० म० केदरिया :
श्री नरदेव स्नातक :

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1965-66 में जिन क्षेत्रों में केन्द्रीय सरकार की स्वास्थ्य सेवा योजना लागू नहीं हैं, वहां नियुक्त डाक तथा तार विभाग के कर्मचारियों को चिकित्सा सम्बन्धी बिलों की प्रतिपूर्ति के लिये कितनी राशि वितरित की गयी ;

(ख) क्या सरकार के ध्यान में यह बात आयी है कि डाकखानों में काम करने वाले डाक-तार कर्मचारियों के डाक्टरी बिलों की प्रतिपूर्ति की राशि प्रति व्यक्ति प्रतिमास 200 रु० से 600 रुपये तक आती है ; और

(ग) यदि हां, तो इस प्रथा को रोकने के लिए क्या कार्यवाही की गई है ?

संसद्-कार्य विभाग तथा संचार विभाग में राज्य-मंत्री (श्री जगन्नाथ राव) : (क) 2,94,55,448 रुपये 46 पैसे ।

(ख) तथा (ग). सरकारी कर्मचारियों द्वारा ऊंची रकम के चिकित्सा बिल पेश करने की घटनाओं का समय-समय पर पता चलता है । ऐसे आदेश पहले से ही जारी किये जा चुके हैं कि जब कभी दावों के ठीक होने के सम्बन्ध में कोई शक हो तो विशेष पुलिस एस्टेबिलशमेंट या उस स्थान के सिविल सर्जन की सहायता से जांच की जानी चाहिए । उन डाक्टरों या केमिस्टों के मामलों की सूचना भी, जिनके बारे में अनियमिततायें करने का शक हो, विशेष पुलिस एस्टेब्लिशमेंट तथा आयकर प्राधिकारियों को दी जाय । उन कर्मचारियों के मामलों की सूचना केन्द्रीय जांच ब्यूरो को भी दी जाय, जिन पर धोखा देही करने का शक हो । उक्त उपायों के अलावा इस दृष्टि से कि चिकित्सा सम्बन्धी खर्च की प्रतिपूर्ति की सुविधाओं का दुरुपयोग न हो साथ ही कर्मचारियों को ये सुविधाएं और भी अधिक सुविधा से उपलब्ध हो सकें, प्रमुख नगरों में विभागीय औषधालय खोल दिये गए हैं, और जहां कहीं न्यायसंगत पाय जाएंगे, धीरे धीरे और भी औषधालय खोल दिये जाएंगे ।

शिक्षा मंत्रालय में प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी के अधिकारी

208. **श्री विश्राम प्रसाद :** क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1965 से अगस्त, 1966 तक की अवधि में उनके मंत्रालय में प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी के कितने राज-पत्रित अधिकारियों तथा कर्मचारियों की पद्दोन्नति की गयी अथवा प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया ;